Removal of submerged Dredgers at Paradeep Port

1668. SHRI SUBAS MOHANTY: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether it has come to the notice of Government that as the two submerged Dredgers at Paradeep Port have not been cleared so far and that it has resulted in the diversion at big Ship to other ports;

(b) what time it will take for clearance of these two dredgers; and

(c) what is the loss sustained on account of these two submerged dredgers?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI RAJESH PILOT): (a) The salvage operation in respect of the two wrecks are still going on at the site. Government are not aware of any diversion of ships to other ports on this account.

(b) A contract for the removal of wrecks of two dredgers has been awarded in October, 1986. The time required for clearance of both the wrecks can be estimated after the removal of the first wreck is completed.

(c) The book value of dredgers Konarka and MCT—III at the time of their grounding was approximately Rs. 85 lakhs and Rs. 6.67 lakhs respectively.

Gopalpur-at-Sea Port in Orissa

1669. SHRI SUBAS MOHANTY: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether the minor Port at Gopalpur-at-Sea in Orissa has been completed;

(b) when the Port is likely to be opened and what type of ships will be able to operate through the Port;

(c) how many tonnes of cargoes every year is expected to be handed through this port; and

(d) whether there is any proposal for the movement of passenger ships through this Port?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI RAJESH PILOT): The Port of Gopalpur-at-Sea is a minor port in Orissa and hence its management & development vest with the Govt. of Orissa. As such the information has been collected from the Govt. of Orissa, which is as follows:-

(a) It is expected to be completed around August, 1987.

(b) The Port has been opened to traffic on 27-2-1987. Ships calling at the Port stay in the sea at the anchorage around 1 Km. from the shore. Boats ply upto the ships for loading and unloading of cargo.

(c) The Port is presently designed to handle 5.25 lakhs tonnes of cargo. Initially it would be handling somewhat less than the designed capacity.

(d) No, Sir.

"शाने पंजाब" एक्सप्रेस रेलगाड़ी का देर से चलना

1670. **श्री सूरज प्रसाद :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले दो महीनों से "शाने पंजाब" रेलगाड़ी नई दिल्ली से देर से चल रही है जिसके कारण पठानकोट और जम्मू जाने वाले यात्रियों को दिन और रात स्टेशन पर बितानी पड़ती है क्योंकि जम्मू तवी लिंक एक्सप्रेस ठीक समय पर जालंधर स्टेशन से चली जाती है ;

(ख) क्या सरकार कोई ऐसी व्यवस्था करेगी कि शाने पंजाब के आगमन के बाद ही लिंक एक्सप्रेस जालंधर स्टेशन से चले ;

(ग) क्या यह सच है कि पठानकोट तथा जम्मू जाने वाले यात्रियों को जालंधर तक तो आरक्षण मिल जाता है किन्तु जम्मू और पठानकोट से दिल्ली आने

वाले यात्रियों के लिए आरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है और उन्हें लिंक एक्सप्रेस से जालंधर आने पर कठिनाइयां झेलनी पड़ती हैं ; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार शाने पंजाब में यात्रा के लिए लिंक एक्सप्रेस में 2–3 अतिरिक्त यात्री डिब्बे जोड़ने की व्यवस्था करेगी जिससे यात्रियों को जालंधर पर उतरने में कोई कठिनाई न आए ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) जी नहीं।

(ख) उपर्युक्त भाग (क) को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

(ग) और (घ) जम्मू तवी तथा पठानकोट से प्रारम्भिक यात्री 198 शाने पंजाब एक्सप्रेस से दिल्ली जाने के लिए अपने आरक्षण मुख्य आरक्षण पर्यवेक्षक, जम्मू तवी/पठानकोट के माध्यम से गाड़ी के प्रारम्भिक स्टेशन अर्थात अमृतसर से टेलीग्राम द्वारा करा सकते हैं।

197/198 शाने पंजाब पहले ही अनुमेय अधिकतम 17 सवारी डिब्बों के साथ चल रही है और यह गाड़ी बहुत ही लोकप्रिय है। अतः इस गाड़ी में न तो कोई सवारी डिब्बा लगाने की गुंजाइश है और न ही इस गाड़ी के साथ चल रहे मौजूदा सवारी डिब्बों में से किसी सवारी डिब्बे का पठानकोट, जम्मू तवी के लिए मार्ग बदला जा सकता है ;

प्रशिक्षणाधीन नर्सों को वृत्तिका की मात्रा

1671. **श्री सूरज प्रसाद** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली के बड़े सरकारी तथा गैर-सरकारी अस्पतालों में प्रशिक्षण के लिए भर्ती की जाने वाली नर्सों को वृत्तिका में वृद्धि की गई है ;

(ख) यदि हां, तो क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष की प्रशिक्षार्थियों की वृत्तिका में कितनी वृद्धि की गई है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि वेतन आयोग ने प्रशिक्षण अवधि के दौरान उन्हें मुफ्त खाने की सुविधा के साथ-साथ होस्टल की सुविधाएं प्रदान करने की सिफारिश की है ; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं तथा क्या सरकार नर्सों को मुफ्त खाने की सुविधा प्रदान करने का विचार रखती है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) और (ख) केन्द्रीय सरकार और दिल्ली प्रशासन के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन अस्पतालों में, जिनमें दिल्ली नगर निगम और नई दिल्ली नगर पालिका भी शामिल हैं, चलाए जा रहे सामान्य उपचर्या और मिडवाइफरी पाठ्यक्रमों के छात्र-नर्सों के वजीफे की दर संशोधित करके 1–10–86 से सभी तीन वर्षों के लिए समान रूप से 500/- रुपए प्रतिमाह कर दी गई है। बढ़ी हुई मात्रा प्रथम वर्ष के लिए 250 रुपए प्रति माह, द्वितीय वर्ष और तृतीय वर्ष के लिए 200 रुपए प्रतिमाह है।

(ग) छात्र-नर्सें वेतन आयोग की रिपोर्ट के दायरे में नहीं आती हैं। छात्रों को निःशुल्क आवास की सुविधा पहले से ही प्रदान की जा रही है।

(घ) प्रशिक्षु नर्सों को निःशुल्क भोजन प्रदान करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

Shipping Corporation of India

1672. SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Shipping Corporation of India has been in the doldrums;

(b) whether it is also a fact that Government have not extended the minimum cargo support to it as is done by other countries in respect of their National Shipping Companies; and